FUSCO'S SCHOOL (ICSE)

Indiranagar, Bangalore

ANNUAL EXAMINATION 2016-17

Subject: Hindi III Language

Time:2 ½ hrs

Class :VIII Marks : 80

I. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो - 15
"परिश्रम ही सफ़लता का सोपान है"।

II. पत्र लिखिए। 7
आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, अधिकांश सडकें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर" यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए है। प्रिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

III. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर प्रशनों के उत्तर लिखिए।

बादशाह अकबर एक दिन शिकार खेलते हुए जंगल में भटक गए। शाम हो रही थी, अत: वह घोडे को एक पेड में बाँधकर नमाज पढने बैठ गए। बादशाह अकबर ने नमाज पढना आरम्भ ही किया था कि एक औरत उनसे टकराती हुई, उनके पास से निकल गई। बादशाह का द्यान भंग हो गया। आँख खोलकर देखा, एक औरत तेजी से भागी चली जा रही थी। उसका धक्का खाकर बादशाह अकबर को बहुत बुरा लगा। उन्होंने जल्दी जल्दी नमाज पढी और फ़िर घोडे पर सवार होकर उस औरत के पीछे भागे।

भागती हुई औरत को उन्होंने शीघ्र ही जा पकडा और पूछा, तू ने मुझे धक्का क्यों दिया ?

वह औरत बादशाह अकबर की बात सुनकर हैरान हुई। उसने पूछा कौन हैं आप? कैसा धक्का ? कब लगा ? कहाँ थे आप ?

यह बात सुनकर बादशाह अकबर उत्तेजित हो गए। उस औरत की यह गुस्ताखी उन्हें अच्छी नहीं लगी। उन्हें अपने सम्राट होने का अहसास था, इसलिए आँखें लाल करके बोले अरी गुस्ताख! मैं नमाज पढ रहा था, तू पास से भागती हुई आई और धक्का देकर निकल गई। तू ने मेरी नमाज में खलल डाल दिया।

औरत ने घबराये बिना सहक स्व्भाव में कहा" इस बारे में मुझे कुछ नही मालुम। मैंने आपको नहीं देखा। हो सकता है भागते हुए मेरा धक्का आपको लग गया हो मगर आपका धकका तो मुझे नहीं लगा। धक्के का लगना और उसका अनुभव दोनों और से होते हैं, एक तरफ़ से नहीं होता। आपको मेरा धक्का लगा, मगर मुझे तो कुछ भी पता नहीं।

बादशाह अकबर और भी अधिक क्रोधित होकर बोले, तो क्या मैं झूठ बोल रहा हुँ? नमाज पढते हुए धक्का दे गई और अब ऊपर से बदजबानी और मुँहजोरी करती है। वह औरत हँसते हुए

बोली मुझे क्या पडी हे आपको धक्का देने की, मैं तो अपने प्रिय पुत्र से मिलने जा रही हुँ. जो समुद्री-यात्रा से लौटा है। पुत्र से मिलने के विचार से पुत्र प्रेम में अपना आपा खोकर हो सकता है मैं आपसे टकरा गई होऊँगी, मगर ताज्जुब तो इस बात का है कि आप दुनिया के मालिक सबसे बडे प्रेमी के ध्यान में उनके प्रेम में कच्चे ढंग से बैठे थे कि आपको मेरी धक्का का पता लग गया, जबकि मैं अपने प्रिय पुत्र के ध्यान में उसके प्रेम में किसी भी धक्के को न जान सकी।

वह प्रेम ही क्या जो संसार की अनेकरूपता को मिटाकर प्रेम पात्र के प्रति समानता न स्थापित कर सके। लम्बे समय के बाद पुत्र से मिलने की प्रेम भावना ने माँ के सामने पुत्र के अतिरिक्त सब कुछ ओझल कर दिया था। उस समय वह बडे छोटे बादशाह या प्रजा सभी भेदों को मिटा चुकी थी।

अकबर के लिए यह आँख खोलने वाली घटना थी। वह अल्लाह की इबारत करते हुए भी उसके प्रति प्रेम भाव प्रकट करते हुए भी एकाग्र न हो सक

अकबर के लिए यह आँख खोलने वाली घटना थी। वह अल्लाह की इबारत करते हुए भी उसके प्रति प्रेम भाव प्रकट करते हुए भी एकाग्र न हो सका था।

वास्तव में सब कुछ छोडकर केवल ईश्वर को पाने की इच्छा जगाना ही, उसके प्रति सच्ची भक्ति होती है, सच्चा प्रेम होता है। अपना अहम से मुक्ति पाये बिना व्यक्ति परमात्मा से एकरूपता स्थापित नहीं कर सकता, परमात्मा को नहीं पा सकता। जिस व्यक्ति के हृदय में प्रेम भाव उत्पन्न नहीं होता, वह जीवित होते हुए भी मृत के समान है। प्रेम परायों को भी अपना बनाता है, जबकि घृणा और अभिमान मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है।

क) बादशाह अकबर कहाँ नमाज पढ रहे थे और क्यों? 2

ख) औरत तेजी से क्यों भागी जा रही थी? उसका धक्का लगने पर बादशाह अकबर को कैसा अनुभव हुआ ? 2

ग) औरत की किस बात को सुनकर बादशाह अकबर उत्तोजित हुए और क्यों? 2

घ) बताइए कि बादशाह अकबर ने धक्के को क्यों महसूस किया तथा औरत ने धक्का को क्यों महसूस नहीं किया? 2

ङ) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली। 2

IV. निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए। 1

नीति, साहित्य

V. पर्यावाची लिखो 1

माता

VI. विपरीतार्थक शब्द लिखो 1

शांत, निर्दोष

VII. वाक्य बनाइए। 1
घुटने टेकना।

VIII. भाववाचक संज्ञा बनाइए। 1
ईश्वर, उत्तम

IX. असफ़ल हो जाने पर, उसे भारी दु:ख हुआ। (वाक्य शुद्ध कीजिए) 1

X. परिश्रमी व्यक्ति विपत्तियों से नहीं घबराता है। (वचन बदलिए) 1

XI. एक नवयुवक को यह बन्धन पसन्द नहीं आया। (पसन्द के स्थान पर 'अच्छा' शब्द का प्रयोग करो) 1

SECTION - B

साहित्य सागर

I. पशु समाज में इस क्रांतिकारि परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड गई कि सुख समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग अब आया और वह आया।

क) वन के पशुओं ने एक मत से क्या तय किया और क्यों? वन में प्रजातंत्र को स्थापना का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

ख) क्रांतिकारि परिवर्तन का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है? स्पश्ट कीजिए: 2

ग) जंगल में हर्ष की लहर क्यों दौड गई? सुख समृद्धि और सुरक्षा के स्वर्ण युग का आशय स्पश्ट कीजिए। 2

घ) जंगल में किस प्रकार का प्रजातंत्र आया? 2

II. मुझे सियार ने बडी गंभीरता से पूछा "महाराज आपके मुखचंद्र पर चिंता के मेघ क्यों छाए है"?

क) महाराज शब्द का प्रयोग किस के लिए किया गया है? उसकी चिंता का क्या कारण था और क्यों ? 2

ख) सियार ने उसकी बात सुनकर क्या उत्तर दिया ? 2

ग) भेडिया ने सियार को कौन सी बात बताई और इस संदर्भ में अपनी किस कठिनाई का उल्लेख किया? 2

घ) बूढे सियार ने भेडिया को उस कठीनाइ से मुक्ति पाने के कौन से दो उपाय बताइए? 2

III. "कहा तो मेरे" अरुणा से हँसते हुए कहा
"अरे बता न मुझे ही बेवकूफ़ बनाने चली है"

क)अरुणा की कौन सी बात सुनकर चित्रा की आँखें फ़ैली की फ़ैली रह गई ? 2

ख) चित्रा को किस चित्र से प्रसिद्धि मिलि थी? चित्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

एकांकी संचय

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) दुर्योधन के अनुसार उसने महाभारत का युद्ध क्योम किया? 2

ख)पाखंडी! तुझे झूठ बोलने में लज्जा नहीं आती।

वक्ता कौन है? उसके अनुसार दुर्योधन कौन सा झूठ बोल रहा था? 2

ग) मत्यु के समीप पडे दुर्योधन के पास युधिष्टर ने अपने आने का क्या कारण बताया? 2

V. किसने किससे कहा?

क) 'देख तेरा काल तुझे ललकार रहा है'। 2

ख) 'मेरे लिए वह आत्मप्रवचना है, मैं उससे घृणा करता हुँ।' 2

VI. आशय स्पष्ट कीजिए।

क) दिन में तो चित्तौड के सूरज हो कुँवर! और रात में तुम राजवंश के दीपक हो। 2

ख) पन्ना ने कुँवर उदय सिंह के प्राणों की रक्षा के लिए क्या योजना बनाई? 2

VII. नहीं कुँवर। तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ़ जहरीले सर्प घूम रहे है। किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं।

क)कुँवर कौन है तथा उनसे बात करने वाला कौन है? 2

ख) जहरीले सर्प से वक्ता की संकेत किनकी और है ? 2

ग) बनवीर कौन था? वह उदय सिंह को क्यों मारना चाहता था ? 2